5. निम्नलिखित प्रश्नों के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×3=30

(क) प्रसाद के काव्य की भावपक्षीय विशेषताओं को सोदाहरण प्रस्तुत कीजिए।

अथवा

महादेवी वर्मा के काव्य के प्रमुख स्वरों को रेखांकित कीजिए।

(ख) 'हे लाज भरे सौन्दर्य बता दो' शीर्षक गीत के प्रतिपाद्य की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'मधुर वह था जीवन' शीर्षक कविता के भावपक्ष पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

(ग) हिन्दी की छायावादी काव्यधारा को सुमित्रानंदन पंत की देन पर अपना विवेचन प्रस्तुत कीजिए।

अथवा

छायावाद की परिभाषा बताते हुए छायावादी काव्य की सामान्य विशेषताओं को प्रस्तुत कीजिए।

★★★

2023

HINDI

(Honours Elective)

Paper : HIN–HE–6016

(छायावादी काव्यधारा)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

(क) आचार्य रामचंद्र शुक्ल के अनुसार छायावाद की आरम्भिक सीमा क्या है?

(ख) 'कामायनी' का प्रकाशन-वर्ष क्या है?

(ग) 'जूही की कली' कविता की नायिका कौन है?

(घ) "मेरे नाविक धीरे-धीरे" पंक्ति में कवि ने 'नाविक' शब्द का किस अर्थ में प्रयोग किया है?

(ङ) "हे लाज भरे सौन्दर्य बता दो" शीर्षक गीत किस नाटक में सन्निविष्ट है?

(च) 'मौन निमंत्रण' कविता किस काव्य-संग्रह में संगृहीत है?

(छ) 'भारतमाता' कविता के कवि कौन हैं?

(ज) "सखी नीरवता के कंधे पर डाले बाँह।" यह पंक्ति पठित किस कविता से उद्धृत है?

(झ) "आप निकल पड़ता तब एक विहाग।" 'विहाग' क्या है?

(ञ) "करतीं समीर-परियाँ विहार"—'समीर-परियाँ' में कौन-सा अलंकार निहित है?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) 'अरुण यह मधुमय देश हमारा' शीर्षक कविता में कवि ने 'मधुमय देश' किसे कहा है और क्यों?

(ख) सन् 1938 को छायावाद की आखिरी सीमा क्यों माना जाता है?

(ग) "विजन-वन-वल्लरी पर
सोती थी सुहाग-भरी—स्नेह-स्वप्न-मग्न"
ये पंक्तियाँ किस कवि की हैं और किस कविता से उद्धृत हैं?

(घ) "कवि का बढ़ जाता अनुराग"—कवि का अनुराग कब और क्यों बढ़ जाता है?

(ङ) महादेवी वर्मा के किन्हीं दो काव्य-ग्रंथों के नाम लिखिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) छायावादी काव्यधारा के नामकरण पर टिप्पणी प्रस्तुत कीजिए।

(ख) 'मंदिर का दीप' कविता का भावार्थ लिखिए।

(ग) 'मुझको न मिला रे कभी प्यार' शीर्षक कविता की विषय-वस्तु को रेखांकित कीजिए।

(घ) जयशंकर प्रसाद की कविताओं की प्रमुख कलापक्षीय विशेषताओं को लिखिए।

(ङ) 'भारतमाता' कविता के उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए।

(च) "यह घाट वही जिस पर हँसकर,
वह कभी नहाती थी धँसकर,
आँखें रह जाती थीं फँसकर
कँपते थे दोनों पाँव बंधु!"
प्रस्तुत पंक्तियों का सप्रसंग आशय स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10

दिये हैं मैंने जगत को फूल-फल,
किया है अपनी प्रभा से चकित-चल,
पर अनश्वर था सकल पल्लवित पल...
ठाट जीवन का वही,
जो ढह गया है।

अथवा

स्तब्ध ज्योत्सना में जब संसार
चकित रहता शिशु-सा नादान,
विश्व के पलकों पर सुकुमार
विचरते हैं जब स्वप्न अजान;
न जाने, नक्षत्रों से कौन
निमंत्रण देता मुझको मौन?